# छोटी छोटी कन्या का रूप धर के

छोटी छोटी कन्या का रूप धर के

छोटी, छोटी कन्या का, रूप धर के,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के ॥
नौ रूपो में, सोलह श्रृंगार करके,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के ।
छोटी, छोटी कन्या का...

लाल, लाल चुनर मईया, तुझको उढ़ाऊँ,
हलवे, चने का तुझको, भोग लगाऊँ ॥
तेरी, सेवा करेंगे मईया, जी भर के ॥,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के xll
छोटी, छोटी कन्या का...

फूलों, और कलियों से, घर को सजाऊँ,
जोतांवाली, मईया तेरी, ज्योत मैं जगाऊँ ॥
अरदास, करूँ चरनन, शीश घर के ॥,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के xll
छोटी, छोटी कन्या का...

प्यारी, मन भावन तेरी, मूर्त बिठाऊँ,
तेरे, प्यारे भक्तो को, अपने घर बुलाऊँ ॥
हाज़री, लगाऊँ मईया, झूम कर के ॥,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के xll
छोटी, छोटी कन्या का...

जो भी, आया दर पे तेरे, बन के सवाली,
किसी की भी, झोली कभी, नही गई खाली ॥
जीवन, सँवारा तूने, पीड़ा हर के ॥,
आ के, भाग्य, जगाओ मईया, मेरे घर के xll
छोटी, छोटी कन्या का...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34320/title/chhoti-chhoti-kanya-ka-roop-dhar-ke

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |